Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 18

No. of Printed Pages – 7

SS–01–Hindi (C)(Supp.)

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2025

SENIOR SECONDARY SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2025

हिंदी (अनिवार्य)

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

खण्ड - अ

प्र.1) निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए– [16 × 1 = 16]

i) भारत में 'इंटरनेट' का दूसरा दौर कब से शुरु हुआ? [1]

अ) सन् 2000 से ब) सन् 2003 से

स) सन् 2006 से द) सन् 2010 से

ii) 'रेडियो समाचार' के लिए उचित कथन है :– [1]

अ) रेडियो समाचार संस्कृतनिष्ठ भाषा में लिखे जाए।

ब) दीर्घ वाक्यों का प्रयोग किया जाए।

स) समाचारों में आपसी बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया जाए।

द) समाचारों को जटिल तरीके से लिखा व बोला जाए।

iii) 'हिन्दी' को राजभाषा स्वीकार किया गया – [1]

अ) 14 सितम्बर 1949 में ब) 20 अगस्त 1952 में

स) 26 जनवरी 1955 में द) 16 फरवरी 1948 में

iv) 'भाषा' के स्थानीय रूप को कहते हैं – [1]

अ) ध्वनि ब) लिपि

स) संस्कृत द) बोली

v) 'सीधी बात' किसके चक्कर में फँस गई? 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर लिखिए – [1]

अ) कविता के ब) भाषा के

स) निबन्ध के द) पत्र के

vi) 'दुनिया की सबसे हल्की और रंगीन चीज़' किसे कहा है? 'आलोक धन्वा' द्वारा लिखित पाठ्य–पुस्तक में संकलित कविता के आधार पर लिखिए – [1]

अ) गुब्बारों को ब) पैराशूट को

स) पतंग को द) हीलियम गैस को

vii) पाठ्य–पुस्तक में संकलित कविता 'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है' को हरिवंशराय 'बच्चन' के किस 'काव्य संग्रह' से लिया गया है? [1]

अ) एकांत–संगीत ब) निशा–निमंत्रण

स) आकुल–अंतर द) मिलनयामिनी

viii) 'भक्तिन' को किससे स्पर्धा करने वाली बताया गया है? [1]

अ) सुदामा जी से ब) गोपियों से

स) मीरा से द) हनुमान से

ix) गाँव में कौनसा रोग फैला था? 'पहलवान की ढोलक' अध्याय के आधार पर उत्तर लिखिए – [1]

अ) निमोनिया व टाइफाइड ब) मलेरिया व हैजा

स) प्लेग द) तपेदिक

x) निम्नलिखित में से धर्मवीर भारती द्वारा लिखित उपन्यास है – [1]

अ) सूरज का सातवाँ घोड़ा ब) ठंडा लोहा
स) अंधा–युग द) ठेले पर हिमालय

xi) 'भगतजी' एक दिन में कुल कितने 'आने' का 'चूरन' बेचते थे? 'जैनेंद्र कुमार' द्वारा लिखित अध्याय के आधार पर लिखिए – [1]

अ) दो आने का ब) चार आने का
स) छह आने का द) आठ आने का

xii) 'यशोधर बाबू' ने ध्यान लगाने के लिए कौनसा आसन लगाया था? 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर लिखिए – [1]

अ) वज्रासन ब) भुजंगासन
स) पवनमुक्तासन द) पद्मासन

xiii) "जिसे फूँक मारकर न पीना पड़े वह चाय कैसी।" दिया गया कथन किसका है? 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर लिखिए – [1]

अ) यशोधर बाबू का ब) गिरीश का
स) भूषण का द) किशन दा का

xiv) 'मन्त्री' नामक मास्टर ने कक्षा–मॉनीटर किसे बना दिया था? 'जूझ' अध्याय के आधार पर लिखिए –[1]

अ) आनंदा को ब) सुयश पवार को
स) वसंत पाटिल को द) सालगांवकर को

xv) सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा शहर किसे माना गया है? 'अतीत में दबे पाँव' अध्याय के आधार पर लिखिए – [1]

अ) पीलीबंगा को ब) मुअनजो–दड़ो को
स) कालीबंगा को द) कुलधरा को

xvi) 'काशीनाथ दीक्षित' को मिला था – 'अतीत में दबे पाँव' अध्याय के आधार पर लिखिए – [1]

अ) काँसे की सूइयाँ ब) तांबे की सूइयाँ
स) सोने की सूइयाँ द) चांदी की सूइयाँ

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – [6 × 1 = 6]

i) पण्डित रामदहिन मिश्र ने साक्षात सांकेतिक अर्थ को .... कहा है। [1]

ii) 'सैनिकों ने कमर कसली है'; वाक्य में .... शब्द–शक्ति है। [1]

iii) 'तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती है'; काव्य–पंक्ति में .... अलंकार है। [1]

iv) जब किन्हीं दो वस्तुओं में रंग, रूप, गुण, क्रिया और स्वभाव आदि के कारण समता प्रदर्शित की जाती है, तब वहाँ .... अलंकार होता है। [1]

v) 'अवधि । कालावधि' शब्द का अंग्रेजी में सही (पारिभाषिक शब्द) .... शब्द है। [1]

vi) ABSTRACT शब्द का हिंदी में सही (पारिभाषिक शब्द)........... है। [1]

प्र.3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [6 × 1 = 6]

हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ । जितना ही अधिक आनंद से हँसोगे, उतनी ही आयु बढेगी । एक यूनानी विद्वान कहता है कि सदा अपने कर्मों पर खीझने वाला हेरीक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्न मन डेमा क्रीट्स 109 वर्ष तक जिया । हँसी–खुशी का नाम जीवन है। जो रोते है उनका जीवन व्यर्थ है। कहा भी गया है – 'जिंदगी ज़िंदादिली का नाम है, मुर्दा दिल क्या खाक जिया करते हैं।' सुयोग्य वैद्य अपने रोगी के कानों में आनंदरूपी मंत्र सुनाता है।

i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । [1]

ii) 'हँसो और पेट फुलाओ' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । [1]

iii) आयु वृद्धि का क्या उपाय बताया गया है? [1]

iv) हेरीक्लेस की आयु कम रहने का क्या कारण बताया गया है? [1]

v) जीवन किसका नाम है? [1]

vi) सुयोग्य वैद्य की क्या विशेषता बताई गई है? [1]

प्र.4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [6 × 1 = 6]

तुम भारत, हम भारतीय हैं, तुम माता, हम बेटे
किसकी हिम्मत है कि तुम्हें घृष्ट–दृष्टि से देखे?
ओ माता, तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली,
सबकी रक्षा में तुम सक्षम, हो अदभ्य बलशाली ।।
भाषा, वेश, प्रदेश भिन्न हैं, फिर भी भाई–भाई
भारत की साक्षी संस्कृति में पलते भारतवासी ।
सुदिनों में हम एक साथ हँसते, गाते, सोते हैं,
दुर्दिन में भी साथ–साथ जगते पौरुष ढोते हैं।।

i) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । [1]

ii) 'साझी संस्कृति' का क्या भाव है? [1]

iii) 'भारत' और 'भारतीयों' के बीच में कैसा संबंध बताया गया है? [1]

iv) भारत को 'अदभ्य बलशाली' क्यों कहा गया है? [1]

v) सुख–दुःख के दिनों में भारतीयों का परस्पर व्यवहार कैसा होता है? [1]

vi) 'दुर्दिन' शब्द का अर्थ लिखिए । [1]

खण्ड – ब

निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए – (प्र. सं. 5 से 9 तक)

प्र.5) टी. वी. खबरों के एक प्रमुख चरण 'लाइव' को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। [2]

प्र.6) मुअनजो–दड़ो की गलियों या घरों को देखकर लेखक को राजस्थान के किस स्थान की याद आई और क्यों? 'अतीत में दबेपाँव' अध्याय के आधार पर संक्षेप में लिखिए। [2]

प्र.7) यशोधर बाबू की धार्मिक आस्थाओं को संक्षेप में लिखिए। [2]

प्र.8) शायर फ़िराक गोरखपुरी ने 'रक्षाबंधन' के सौंदर्य की किस प्रकार व्याख्या की है? पठित अध्याय के आधार पर लिखिए। [2]

प्र.9) बालकों की 'इंद्रसेना' को पानी देने के संदर्भ में जीजी के क्या तर्क थे? पठित अध्याय के आधार पर संक्षेप में लिखिए। [2]

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 10 से 14 तक के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए –

प्र.10) भीमराव आंबेडकर मनुष्य की क्षमता को किन तत्वों पर निर्भर मानते हैं तथा इनका मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? पठित अध्याय के आधार पर विस्तार से लिखिए। [3]

अथवा

महादेवी जी द्वारा भक्तिन की 'पाक–कला' का विश्लेषण किस प्रकार किया गया है? पठित अध्याय के आधार पर विस्तार से लिखिए।

प्र.11) ''कवि शमशेर बहादुर सिंह की कविता 'उषा' में प्रकृति में होने वाला परिवर्तन मानवीय जीवन–चित्र बनकर अभिव्यक्त हुआ है।'' कैसे? कविता के आधार पर व्याख्या कीजिए। [3]

अथवा

कवि रघुवीर सहाय की कविता 'कैमरे में बंद अपाहिज' की मूल–संवेदना को विस्तार से लिखिए।

प्र.12) विद्वानों ने 'सिंधु सभ्यता' को 'खेतिहर और पशुपालक सभ्यता' किस आधार पर माना है? 'अतीत में दबे पाँव' अध्याय के आधार पर विस्तार से लिखिए। [3]

अथवा

'आनंदा' के जीवन को मराठी के अध्यापक 'न.वा. सौंदलगेकर' ने किस प्रकार प्रभावित किया? पठित अध्याय 'जूझ' के आधार पर विस्तार से लिखिए।

प्र.13) उमाशंकर जोशी <u>अथवा</u> हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्यिक परिचय लिखिए। [3]

प्र.14) वन्य–जीव संरक्षण की जानकारी प्राप्ति हेतु किए गए शैक्षणिक भ्रमण पर एक 'फीचर' लिखिए। [3]

अथवा

भारत और आस्ट्रेलिया की क्रिकेट खेल–शैली पर एक आलेख लिखिए।

खण्ड – द

प्र.15) निम्नलिखित पठित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – [2 + 4 = 6]

अट्टालिका नहीं है रे
आतंक – भवन
सदा पंक पर ही होता
जल – विप्लव – प्लावन,
क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से
सदा छलकता नीर,
रोग–शोक में भी हँसता है
शैशव का सुकुमार शरीर ।
रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष
अंगना–अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र–गर्जन से बादल?
त्रस्त–नयन मुख ढाँप रहे हैं।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर?

अथवा

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी ।
जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी?'
बेद हूँ पुरान कही, लोक हूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबैं पै, राम? रावरें कृपा करी।
दारिद–दसानन दबाई दुनी, दीनबंधु?
दुरित–दहन देखि तुलसी हहा करी ।।

प्र.16) निम्नलिखित पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **[2 + 4 = 6]**

सियारों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज़ कभी–कभी निस्तब्धता को अवश्य भंग कर देती थी। गाँव की झोंपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज़, 'हरे राम? हे भगवान?' की टेर अवश्य सुनाई पड़ती थी। बच्चे भी कभी–कभी निर्बल कंठों से 'माँ–माँ' पुकारकर रो पड़ते थे। पर इससे रात्रि की निस्तब्धता में विशेष बाधा नहीं पड़ती थी ।

कुत्तों में परिस्थिति को ताड़ने की एक विशेष बुद्धि होती है। वे दिन–भर राह के घूरों पर गठरी की तरह सिकुड़कर, मन मारकर पड़े रहते थे । संध्या या गंभीर रात्रि को सब मिलकर रोते थे।

अथवा

वह मन पूर्ण कब है? हम में पूर्णता होती तो परमात्मा से अभिन्न हम महाशून्य ही न होते? अपूर्ण हैं, इसी से हम हैं। सच्चा ज्ञान सदा इसी अपूर्णता के बोध को हम में गहरा करता है। सच्चा कर्म सदा इस अपूर्णता की स्वीकृति के साथ होता है। अतः उपाय कोई वही हो सकता है जो बलात मन को रोकने को न कहे, जो मन को भी इसलिए सुने क्योंकि वह अप्रयोजनीय रूप में हमें नहीं प्राप्त हुआ है। हाँ, मनमानेपन की छूट मन को न हो, क्योंकि वह अखिल का अंग है, खुद कुल नहीं है।

प्र.17) स्वयं को सफदरगंज एनक्लेव–7 निवासी राजेश दीक्षित मानते हुए राजकीय सफदरगंज चिकित्सालय, दिल्ली की सफाई व्यवस्था के उत्तम प्रबंध पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को एक पत्र लिखिए ।**[4]**

अथवा

केन्द्रीय चुनाव आयोग की ओर से 18 वर्ष से अधिक व्यक्तियों के लिए मतदाता परिचय पत्र की अनिवार्यता दर्शाने वाली एक विज्ञाप्ति लिखिए ।

प्र.18) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक निबंध लिखिए । **[5]**

(1) इंटरनेट : एक संचार क्रांति

(2) स्वास्थ्य की कुंजी : स्वच्छता

(3) मेरी सर्वाधिक प्रिय ऋतु

(4) जल है तो कल है

(5) एक देश : एक चुनाव

DO NOT WRITE ANYTHING HERE